अमिताभ ढिल्लों हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के प्रमुख होंगे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा सरकार ने वर्ष 1997 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, अमिताभ सिंह ढिल्लों को **हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ADGP)** के रूप में नियुक्त किया।

मुख्य बिंदु:

- वर्ष 1997 बैच के एक अन्य अधिकारी संजय कुमार को ममता सिंह की जगह ADGP, कानून और व्यवस्था के रूप में तैनात किया गया था।
- राज्यपाल के **ऐड-डि-कैंप (ADC**), अर्श वर्मा को महेंद्रगढ़ के **पुलिस अधीक्षक** के रूप में तैनात किया गया था, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (SP), यमुनानगर, हिमाद्री कौशिक को **पुलिस उपायुक्त (DCP)**, पंचकुला के रूप में तैनात किया गया था।
- वर्ष 1991-बैच के अधिकारी, आलोक रॉय को **पुलिस महानिदेशक (DGP), मानव संसाधन (HR) और मुकदमेबाज़ी** के रूप में तैनात किया गया था, जबकि उनके बैचमेट, संजीव जैन को DGP, हरियाणा मानवाधिकार आयोग के रूप में तैनात किया गया था।
- DCP, बल्लभगढ़, राजेश दुग्गल को गुरुग्राम के संयुक्त पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात किया गया।

ऐड-डि-कैंप

- **'ऐड-डि-कैंप' की उपाधि सशस्त्र बलों में एक अधिकारी** को दी जाती है, जो **उच्च रैंकिंग वाले अधिकारी की सहायता करता है।**
- ADC वे अधिकारी होते हैं जो **सेना प्रमुख, सेना कमांडरों, राज्यपालों और भारत के राष्ट्रपति** सहित शीर्ष अधिकारियों के निजी सहायक के रूप में कार्य करते हैं।
- **भारत के राष्ट्रपति के पास पाँच ऐड-डि-कैंप होते हैं,** जिनमें से तीन सेना से और एक-एक नौसेना तथा वायु सेना से होते हैं।
- **राज्य के राज्यपाल के दो ऐड-डि-कैंप होते हैं,** एक सेना/नौसेना/वायु सेना से आता है और दूसरा राज्य के पुलिस बल से आता है।
- एक ADC के पास **सशस्त्र बलों** में पाँच से **सात वर्ष का अनुभव** होना चाहिये। उनका चयन उनके **पेशेवर प्रदर्शन और साक्षात्कार** के आधार पर किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/amitabh-dillon-to-head-haryana-anti-corruption-bureau